

29.8
24

पत्रावली पैसा हुई वकील प्रार्थी व प्रार्थी
को शोकाव लगाई गई बार-बार शोकाव
लगाते के बावजूद भी वकील प्रार्थी व
प्रार्थी व्यायालय में शामिल नहीं होने पर

तारीख हुक्म

हुक्म या कार्यावाही मय इनिशियल जज

नम्बर व
अहकाय
हुक्म की
जारी

प्राची का बोलहन डा. धारा 232
बाल. मान. बन्धि, अहम काली
अहम पेरी में खारिल किया जावा
है। पत्रावली फेसल समाप्त होकर नम्बर
से क्रम होकर टाखिल हफ नर है।

Faint official stamp and text at the bottom of the page.